

पिता की जान बचाने के लिए बेटे ने चार महीने में घटाया 20 किलो वजन

जासं • लखनऊ: बांदा जिले के एक 24 वर्षीय युवक ने अपने गंभीर रूप से बीमार पिता की जान बचाने के लिए चार महीने में करीब 20 किलोग्राम वजन घटाया। पिता एडवांस लिवर सिरोसिस से पीड़ित थे और उन्हें लिवर प्रत्यारोपण की जरूरत थी। बेटे ने अपने लिवर का एक हिस्सा दान करने के लिए न केवल नौकरी से अवकाश लिया, बल्कि अपनी सेहत सुधारने के लिए पूरी तरह जुट गया।

दिल्ली की एक रियल एस्टेट कंपनी में काम करने वाले युवक ने अपने परिवार के साथ बांदा में रहकर चार महीने तक वजन घटाने और लिवर को प्रत्यारोपण के योग्य बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। शुरुआत में जांच के दौरान उसके लिवर में गंभीर फैटी लिवर की समस्या सामने आई। लिवर में वसा का जमाव ग्रेड-3 से भी अधिक था। इस कारण डाक्टरों ने उसे अंगदान के लिए अनुपयुक्त बताया। परिवार में वह अकेला दाता था, जिसका लिवर पिता से मेल खा सकता था। कोई दूसरा उपयुक्त दाता नहीं मिलने पर युवक ने विशेष डाइट, नियमित जांच और चिकित्सकीय निगरानी का सहारा



पिता और पुत्र के साथ डा. अभिषेक यादव • अस्पताल

गंभीर फैटी लिवर की वजह से अंगदान के लिए नहीं था योग्य, विशेष डाइट और डाक्टर की निगरानी में सुधारी सेहत

सफल रहा लिवर प्रत्यारोपण, एक सप्ताह बाद दे दी छुट्टी

अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में डाक्टरों की टीम ने लिवर प्रत्यारोपण की जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की। आपरेशन के करीब एक सप्ताह बाद पिता को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पिता की हालत में सुधार हो रहा है। अस्पताल में लिवर प्रत्यारोपण विभाग के प्रमुख डा.

अभिषेक यादव ने बताया कि पिता की जान बचाने के लिए बेटे का प्रयास सराहनीय है। बेटे को पहले से यह जानकारी नहीं थी कि उसके लिवर में इतनी अधिक मात्रा में वसा जमा है। पिता को लिवर का हिस्सा दान करने के लिए आगे आने के बाद जब उसकी जांच की गई, तब इस समस्या का पता चला।

लिया। युवक ने बुधवार को अपोलोमेडिक्स में प्रेसवार्ता के दौरान कहा, चार महीने में करीब 20 किलो वजन घटाया। इसके लिए उसने न तो वजन घटाने वाले इंजेक्शन का इस्तेमाल किया और न ही किसी दवा का सहारा लिया, जिसके बाद वह लिवर का एक हिस्सा दान करने के योग्य हो गया। डा. अभिषेक यादव ने बताया कि

उन्होंने डा. उत्कर्ष श्रीवास्तव और अपनी टीम के साथ मिलकर यह जटिल सर्जरी की। वजन घटाने की प्रक्रिया के दौरान युवक के लिवर में वसा की मात्रा में हो रहे बदलावों का आकलन करने के लिए चार से पांच बार एमआरआई जांच की गई। डाक्टरों ने शुरुआत में परिवार को अन्य संभावित दाताओं की तलाश करने की सलाह भी दी थी।